Revision of Import Export pass book Scheme

♦12. SHRI RAJNI RANJAN SAHU Will the Minister of COMMERCE be pleased to state ;

(a) whether it is a fact that Import-Export Pass Book Seheme which was introduced in 1986, is being revised;

(b) what has been the outcome of this Scheme; and

(c) what are the reasons for which it is being revised ?

THE MINISTER OF FINANCE AND THE MINISTER OF COMMERCE (SHRI NARAYAN DATT TIWARI) : (a) to (c) The Import-Export Pass Book Scheme is being reviewed along with other Schemes in the context of the formulation of the new Import-Export Policy to come into force from 1st April, 1988.

Economic Cooperation wWh Japan

•13. SHRI SURESH KALMADI : Will the Minister of FINANCE be pleased to state ;

(;i) whether Japan is keen to enlarge economic cooperation with India;

(b) whether a Japanese delegation recently visited India and had detailed discussions with the Government of India officials in the first week of February, 1988;

(c) if so, what are the details of the discussions; and

(d) what is the outcome thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI EDUARDO FALEIRO): (a) Yes, Sir.

(b) A Japanese investment Environment Survey Mission comprising 35 members visited India from 21st to 29th January 1988. They had discussions with the officials of the Government of India, Reserve Bank of India, State Goyern-ments etc. as well as with representatives of the industry.

(c) The discussions covered India's foreign investment policy and the state of the economy in general.

(d) The visit was exploratory in nature,

कोयला, इस्पात, पेट्रोल और चीनी के मूल्य वृद्धि का देश की अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

*14. **श्री रशीद मसूद :**

श्री कृष्ण कुमार बिरला :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कोयला, इस्पात, पेट्रोल और चीनी के मूल्य में हुई हाल की वृद्धि से देश की अर्थ–व्यवस्था पर क्या प्रभाव पड़ा है तथा मूल्य सूचकांक में कितनी वृद्धि हुई है और इसके परिणामस्वरूप रुपये का कितना अव-मूल्यन हुआ है ; और

(ख) मूल्य वृद्धि और मुद्रा-स्फीति की प्रवृत्ति को नियंत्रित रखने के लिये सरकार द्वारा क्या सुरपष्ट उपाय किये गये हैं ?

वित्त मंत्रालय में आर्थिक कार्य विभाग में राज्य मंत्री (श्री एडुवर्डो फेलेरियो) : (क) 1987–88 के दौरान 30 जनवरी, 1988 तक कोयला, इस्पात, पेट्रोल और चीनी की कीमतों में हुई हाल ही की वृद्धि से समग्र सूचकांक पर पड़े इन मदों के भार के आधार पर थोक मूल्य सूचक अंक में एक प्रतिशत से कम वृद्धि होने का अनुमान है। उपभोक्ता मूल्य सूचक अंक पर नगण्य प्रभाव पड़ेगा क्योंकि कोयला और लोहा तथा इस्पात जैसी अन्तर्वर्ती मदें इस सूचकांक के अन्त-र्गत नहीं आती हैं।

रुपये के मूल्य/क्रय–शक्ति (उपभोक्ता मूल्य सूचक अंक के पारस्परिक के रूप में मापा जाता है) में परिवर्तनों का निर्धारण सूचकांक में हुये समग्र परिवर्तनों के द्वारा किया जाता है, न कि अलग-अलग मदों मा